युवा पीढ़ी को तनाव और अनिद्रा से बचाएं : आचार्य श्री ज्ञानसागर

विशाल जैन, पवा । परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के संयम स्वर्ण महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में परम पूज्य सराकोद्धारक, षष्ठम पट्टाचार्य, आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से श्रुत संवर्धन संस्थान, मेरठ, संस्कृति संरक्षण संस्थान दिल्ली के तत्वावधान में श्रुत संवर्धन ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का आयोजन टीकमगढ़, झांसी, ललितपुर के विभिन्न अंचलों में 4 से 13 जून 2018 तक बड़े ही उत्साह से आयोजित हुए, सभी शिविरों का सामूहिक समापन समारोह श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में 13 जून को उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया । समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीयमंत्री प्रदीप जैन आदित्य तथा विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री हरगोविंद कुशवाहा रहें । सर्व प्रथम मंचासीन अतिथियों ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्वलित किया । मंगलाचरण करगुवां जी में आयोजित शिविर के शिविरार्थियों ने संगीतमयी नृत्य के साथ किया। झांसी, टीकमगढ़, ललितपुर, जखौरा, तालबेहट, गुरसराय, सकरार, पृथ्वीपुर, निवाड़ी आदि में आयोजित इन शिविरों में ज्ञान दर्पण भाग 1, 2 छहडाला, भक्तामर स्त्रोत, तत्वार्थ सूत्र, द्रव्य संग्रह आदि में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 210 मेधावियों को पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर करगुवां जी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नाटिका और टीकमगढ़ के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य को सभी ने खूब सराहा ।

इस अवसर पर उक्त शिविरों में अध्यापन कराने वाले श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर, श्रमण ज्ञान भारती मथुरा, स्वादवाद महाविद्यालयों बनारस आदि के विद्वानों को सम्मानित किया गया । ब्र. अनिता दीदी ने समारोह को संबोधित करते हुए मोबाइल से होने वाली हानियों के बारे में चर्चा करते हुए रात्रि में 10 बजे के बाद मोबाईल प्रयोग न करने का संकल्प दिलाया और भोजन करते हुए टीवी न देखने की सभी से अपील की । उन्होनें आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के विराट व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला । दीदी ने जीवन को आदर्श बनाने के लिए सभी को अपनी ओजस्वी वाणी में प्रेरणा दी । इस दौरान अनेक लोग संकल्पित हुए ।

शिविर समिति के मुख्य संयोजक ब्र. जय कुमार निशान्त जी टीकमगढ़ ने कहा कि परम पूज्य आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा से सन 2000 से 12 राज्यों के 1000 स्थानों पर ये शिविर आयोजित हुये, जिनसे महती प्रभावना हुई है । आचार्य श्री की प्रेरणा से ये जो शिविर ज्ञानरथ प्रतिवर्ष आयोजित होते हैं उनसे समाज में एक नई चेतना जागी है ।

परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने इस अवसर पर अपने मंगल उदबोधन में कहा कि किस सभी उत्तम जीवन शैली अपनाने का संकल्प लें । प्रतिदिन मंदिर जाकर भगवान के दर्शन करें । टीवी देखते हुए भोजन न करें । फास्ट फूड खाने से बचें । अपने माता पिता की आज्ञा का पालन करते हुए देश व समाज के हित में कार्य करने के लिए संकल्पित हों । उन्होनें कहा कि भौतिक सुविधाओं को जुटा लेने और अच्छे स्कूलों में दाखिला लेने के बाद भी 40 प्रतिशत बच्चों में डिप्रेशन और नींद न आने की शिकायत हो रही मोबाईल, इंटरनेट की लत ने युवा पीढ़ी के लिए घातक है । अत: जरूरी है कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप जीवन जिया जाय । मोबाइल, इंटरनेट की लत ने युवा पीढ़ी को बहुत हानि पहुंचाई है । देर रात्रि तक मोबाइल का उपयोग स्वास्थ्य और मस्तिष्क के लिये हानिकारक है । अभिभावकों से मेरा कहना है कि युवा पीढ़ी को इससे बचाएँ । इन शिविरों के माध्यम से पाश्चात्य की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी को नैतिक शिक्षा देकर उन्हें संस्कारित करना हमारा उद्देश्य है ।

विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री श्री हरगोविंद जी कुशवाहा ने कहा कि परिवाररूपी पाठशाला में बच्चा अच्छे और बुरे का अन्तर समझाने का प्रयास करता है, जब इस पाठशाला के अध्यापक अर्थात माता-पिता, दादा-दादी संस्कारी होंगे, तभी बच्चो के लिए आदर्श उपस्थित कर सकते हैं । आजकल माता-पिता स्वयं दोनो ही व्यस्तता के कारण बच्चों में सुसंस्कारों के सिंचन जैसा महत्वपूर्ण कार्य उपेक्षित हो रहा है । माता-पिता स्वयं को योग्य एवं सुसंस्कृत बनावें । इन शिविरों के माध्यम से जहां बच्चे संस्कारित होंगे वही उनके अभिभावक भी सांस्कारिक होंगे । आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज युवा पीढ़ी को सार्थक दिशा दिखा रहे हैं । उनका यह परम उपकार हम सभी के लिए वरदान है ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति से लुप्त होते नैतिक संस्कार, विलुप्त होते आदर्शों को पुन: जीवित करने के लिए इन शिक्षण शिविरों का आयोजन होता आ रहा है । उन्होनें आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के द्वारा जैन संस्कृति के उन्नयन के लिए दिए जा रहे योगदान को स्तुत्य, अभिनंदनीय और प्रेरणादायी बताया ।

जैन पंचायत ललितपुर के अध्यक्ष श्री अनिल जैन अंचल ने कहा कि मानव जीवन में संस्कारों का बड़ा महत्व है । संस्कार संपन्न संतान ही गृहस्थाश्रम की सफलता और समृद्धि का रहस्य है । प्रत्येक गृहस्थ अर्थात माता-पिता का परम कर्तव्य बनता है कि वे अपने बालकों को नैतिक बनायें और कुसंस्कारों से बचाकर बचपन से ही उनमें अच्छे आदर्श तथा संस्कारों का ही बीजारोपण करें । आचार्य श्री ज्ञानसागर जी ने शिविरों के माध्यम से संस्कारित करने का जो यह बीड़ा उठाया है यह दूरगामी परिणाम लाएंगे । ज्ञान माइनॉरिटी एजुकेशन एण्ड वेलफेयर फाउण्डेशन के महामंत्री श्री प्रवीण जैन झाँसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्यप्रेदश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बंगाल, छत्तीसगढ़ आदि विभिन्न राज्यों में ग्रीष्मकाल में धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा प्राप्त करके युवा पीढ़ी को स्वर्णिम भविष्य का मार्ग प्राप्त हो रहा हैं । अध्यक्षता जैन पंचायत झाँसी के अध्यक्ष की प्रकाश चंद जैन एडवोकेट ने की । समारोह का संचालन शिविर समिति के सह निर्देशक द्वय डॉ. निर्मल शास्त्री टीकमगढ़ और डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने संयुक्त रूप से किया । झाँसी जैन पंचायत की ओर से आभार महामंत्री प्रवीण जैन दैनिक विश्वपरिवार ने और शिविर समिति की ओर से सुनील प्रसन्न शास्त्री नागौद ने व्यक्त किया ।

नित्यता जैन ने कॉमनवेल्थ चेस चैम्पियनशिप में कांस्य जीता

इन्दौर की लाड़ली बेटी 14 वर्षीय अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी नित्यता जैन ने नई दिल्ली में संपन्न हुई कॉमनवेल्थ चेस चैम्पियनशिप में अंडर 14 गर्ल्स में भारत के लिए कांस्य पदक जीता । इसके पूर्व दि. 8 जून को वर्ल्ड चैस फेडरेशन (फिडे) द्वारा अधिकारिक रुप से ''वुमन कैंडिडेट मास्टर'' के इंटरनेशनल टाइटल से नवाज़ा गया है यह टाइटल प्राप्त करने वाली वह मध्यप्रदेश की पहली महिला शतरंज खिलाड़ी है एवं एक बार फिर नित्यता ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने शहर, राज्य एवं देश को गौरवांवित किया है । हाल ही में ऋषभदेव गौरव न्यास के भव्य समारोह में आपको सम्मानित किया गया है ।

हार्दिक बधाई

श्रीमती संतोष जैन

श्रीमती संतोष जैन पिछले 10 वर्षों से आनंद मूक बधिर विद्यालय में अपनी सेवायें दे रही है । मूकबधिर बच्चें जो सुन व बोल नहीं पाते है उन बच्चों को सांकेतिक भाषा में एम.पी. बोर्ड की कक्षाएँ लेती है हाल ही में इन्होंने मूकबधिर में स्पेशल बी.एड. किया है इसके साथ ही आप गत 8 वर्षों से आकाशवाणी, रेडियो पर वार्ता कार्यक्रम संयोजित करती है ।

विवाह योग्य युवक युवती परिचय विशेषांक अक्टूबर 2018 में

गोलालारीय दर्शन के माध्यम से हमारा सदैव यही प्रयास रहा है कि समाजजनों को सामाजिक व अन्य जानकारियां सहज ही उपलब्ध करा सके । हमनें इस माध्यम को कभी भी आय का साधन नहीं माना है । गत 8 वर्षों से गोलालारीय दर्शन पत्रिका निरंतर वित्तीय घाटे सहन करने के पश्चात भी पत्रिका के 5-6 अंक प्रतिवर्ष 4000 परिवार को निरंतर प्रेषित किये जा रहे है यहां खेदपूर्वक कहना पड़ता है कि इन 4000 परिवारों में से कुछ परिवारों ने ही 2000 रुपये से अधिक की राशि का सहयोग देकर सदस्य बने है जबकि आप सभी जानते है कि आज हमारे समाज में एक से बढ़कर एक धनाढ्य लोग है जो मांगलिक एवं धार्मिक कार्यों में लाखों रुपये खर्च कर देते है । आपको कभी भी महसूस हो कि गोलालारीय दर्शन समाज के लिए उपयोगी है तो आर्थिक सहयोग प्रदान कर हमारा संबल अवश्य बढ़ाये । हमें सदैव आपके सहयोग का इंतजार रहेगा । जहां धर्म के लिए लाखों रुपये दे रहे है वहां पर अपनी समाज की एक अच्छे प्रयास के लिए हजारों रुपये देकर आर्थिक संबल प्रदान करेंगे तो आने वाली पीढ़ियां सदैव आपको सदैव याद करेगी । हम समाज के समस्त परिवारो को फिर भी निरंतर अंक भेजने का प्रयास करते रहेंगे । गोलालारीय दर्शन के विवाह योग्य युवक युवती के प्रथम व द्वितीय **'प्रयास'** की उपलब्धियों को ध्यान में रख यह निर्णय लिया है कि प्रयास पुस्तिका एक वर्ष छोड़कर प्रकाशित किया जावेगी ताकि समाजजनों को नवीन प्रत्याशियों की जानकारी उपलब्ध हो सके । **इसी तारतम्य में वर्ष अक्टूबर 2018 का गोलालारीय दर्शन का अंक हमारा विवाह योग्य युवक युवती परिचय विशेषांक होगा । प्रविष्टी सशुल्क 350 रुपये (चेक/ट्रांसफर) प्रति प्रविष्टि शुल्क के साथ 10 सितम्बर 2018 तक हमारे कार्यालय 16, महारानी रोड़, या 64 न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर भेज सकते है व** हमारे ईमेल golalariya.darshan@gmail.com पर या वाट्सएप्प सुविधा नंबर 9406744064 पर बायोडाटा प्रारुप बैंक में जमा रसीद के साथ भेज सकते है । **अंक की प्रति आपको मधुर कोरियर/स्पीड पोस्ट से निश्चित रुप से भेजी जावेगी । गोलालारीय संचार सेवा का वाट्सएप्प नंबर 9406744064 चर्चा हेतु उपलब्ध नहीं है ।** संपर्क सूत्र - राजेन्द्र जैन 9424013136, बाहुबली जैन 9405903301, कोमलंचद जैन 9329524227।

प्रविष्टि पंजीयन राशि जमा करने हेतु आप अपना ड्राफ्ट/मल्टीसिटी चैक इस नाम से भरे -

हिन्दी में - ''गोलालारीय दर्शन'' इन्दौर

अंग्रेजी में - "GOLALARIYA DARSHAN", Indore

प्रविष्टि पंजीयन राशि आप हमारे बैंक एकाउंट में ट्रांसफर कर सकते हैं तथा रसीद की फोटोकॉपी फार्म के साथ अनिवार्य रुप से भेजे ।

* बैंक का नाम - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
* खाता क्रमांक - 63048875855
* IFSC code : SBIN0030134
* ब्रांच - नगर निगम शाखा, इन्दौर

प्रविष्टि शुल्क
₹ 350/-

ईमेल golalariya.darshan@gmail.com

इस विशेषांक की जानकारी अपने इष्ट मित्रों सहित समाजजनों को देने का कष्ट करें ताकि वे भी लाभांवित हो ।